प्रश्नकोश

1. अलाउद्दीन खिलजी के निम्न सेनाध्यक्षों में से कौन-सा तुगलक वंश का प्रथम सुल्तान बना?

(a) गाजी मलिक (b) मलिक काफूर
(c) जफर खां (d) उबेग खां

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर—(a)

अलाउद्दीन के सेनापतियों में गयासुद्दीन तुगलक या गाजी मलिक तुगलक वंश का प्रथम शासक था। उसने तुगलक वंश की स्थापना की। गयासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में कई महत्वपूर्ण अभियानों का नेतृत्व किया था तथा उसे मुल्तान तथा दीपालपुर का गवर्नर नियुक्त किया गया था। इब्नबतूता के अनुसार 29 अवसरों पर उसने मंगोलों के विरुद्ध विजय प्राप्त किया, उन्हें भारत से बाहर खदेड़ा, इसलिए वह 'गाजी मलिक' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। खुसरो शाह को समाप्त करके उसने दिल्ली के सिंहासन पर अधिकार कर लिया तथा 8 सितंबर, 1320 को सुल्तान बना। इसका एक नाम गाजी बेग तुगलक या गाजी तुगलक भी था, इसी कारण इतिहास में उसके उत्तराधिकारियों को भी 'तुगलक' पुकारा जाने लगा और उसका वंश तुगलक वंश कहलाया।

2. गाजी मलिक किस वंश का संस्थापक था?

(a) तुगलक (b) खिलजी
(c) सैय्यद (d) लोदी

M.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. कृषि को सम्मुन्नत करने के लिए नहर खुदवाने के संदर्भ में 13वीं शताब्दी का निम्नलिखित में पहला शासक होने का श्रेय किसे दिया जाता है?

(a) बलबन (b) इल्तुतमिश
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) रजिया बेगम

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर—(c)

तुगलक वंश की स्थापना गयासुद्दीन तुगलक ने की थी। गयासुद्दीन तुगलक ने कृषकों की स्थिति में सुधार के लिए अनेक प्रयास किए। उसने 'मुकद्दम' तथा 'खूतो' को उनके पुराने अधिकार लौटा दिए। गयासुद्दीन ने लगान निश्चित करने में बंटाई का प्रयोग फिर से प्रारंभ कर दिया, ऋणों की वसूली को बंद करवा दिया, भू-राजस्व की दर को 1/5 से 1/3 भाग वसूल किया तथा सिंचाई के लिए नहर का निर्माण करवाया। सिंचाई हेतु नहर निर्माण कराने वाला गयासुद्दीन दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था।

Scanned with OKEN Scanner

4. किस वंश के सुल्तानों ने सबसे अधिक समय तक देश में राज्य किया?

(a) खिलजी वंश (b) लोदी वंश
(c) दास वंश (d) तुगलक वंश

U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2008

उत्तर—(d)

गुलाम वंश के सुल्तानों ने 1206 से 1290 ई. तक शासन किया। खिलजी वंश ने 1290 से 1320 ई. तक शासन किया। लोदी वंश के शासकों ने 1451 से 1526 ई. तक शासन किया। तुगलक वंश के शासकों ने 1320 से 1412 ई. तक शासन किया। इस प्रकार तुगलक वंश का शासन सबसे दीर्घकालिक था।

5. दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान शासक जो खगोलशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में माहिर था—

(a) इल्तुतमिश
(b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक
(d) सिकंदर लोदी

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर—(c)

दिल्ली सल्तनत के सभी सुल्तानों में मुहम्मद बिन तुगलक (1325-1351ई.) सर्वाधिक विद्वान एवं शिक्षित शासक था। वह खगोलशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विधाओं में निपुण था।

6. 'अमीर-ए-कोही' एक नया विभाग किस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) फिरोज शाह तुगलक
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) सिकंदर लोदी

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003
U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर—(c)

मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषि की उन्नति के लिए एक नए विभाग 'दीवान-ए-अमीर-ए-कोही' की स्थापना की। इस विभाग का मुख्य कार्य कृषकों को प्रत्यक्ष सहायता देकर अधिक भूमि कृषि कार्य के अधीन लाना था। 60 वर्ग मील की भूमि का एक लंबा टुकड़ा इस कार्य के लिए चुना गया। भूमि पर कृषि सुधार किए गए और फसल चक्र के अनुरूप हेर-फेर के साथ विभिन्न फसलों की खेती की गई।

7. दिल्ली के किस सुल्तान ने एक पृथक कृषि विभाग की स्थापना की एवं फसल चक्र की योजना बनाई थी?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004
U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. दीवाने-कोही किससे संबंधित है?

(a) मुहम्मद तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) अकबर (d) अलाउद्दीन

M.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया—

(a) दौलताबाद (b) कालिंजर
(c) कन्नौज (d) लाहौर

U.P. P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर—(a)

मुहम्मद तुगलक के प्रयोगों में एक सबसे महत्वपूर्ण था, राजधानी दिल्ली से दौलताबाद (देवगिरि) ले जाना। मुहम्मद तुगलक द्वारा राजधानी परिवर्तन के विभिन्न कारण बताए गए हैं। बरनी के अनुसार, साम्राज्य के केंद्र में स्थित होने के कारण देवगिरि को राजधानी बनाया गया।

10. दिल्ली से दौलताबाद राजधानी के स्थानांतरण का आदेश दिया था—

(a) सुल्तान फिरोज तुगलक ने
(b) सुल्तान गयासुद्दीन तुगलक ने
(c) सुल्तान मुबारक ने
(d) सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. भारत में सर्वप्रथम सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया था-

(a) अकबर ने
(b) अलाउद्दीन खिलजी ने
(c) बहलोल लोदी ने
(d) मुहम्मद बिन तुगलक ने

U. P. P. C. S. (Mains) 2004
U. P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

मुहम्मद तुगलक ने अपने समय में विभिन्न प्रकार के सिक्के चलाए और उन सभी का उचित मूल्य निश्चित किया, परंतु सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन उसकी एक विशिष्टता रही। बरनी के कथनानुसार खजाने में चांदी की कमी और साम्राज्य विस्तार की नीति को कार्यरूप में परिणत करने की वजह से मुहम्मद बिन तुगलक को सांकेतिक मुद्रा चलानी पड़ी। ईरान में गायखातू (Gaykhatu) या गैखातू के समय में सांकेतिक मुद्रा चलाई गई थी, यद्यपि वहां यह प्रयोग असफल हुआ था। परंतु चीन में कुबलाई खां के समय में सांकेतिक मुद्रा का प्रयोग सफलतापूर्वक किया गया था। संभवतया नवीन अन्वेषणों का प्रयोग करने वाले मुहम्मद तुगलक ने उन देशों से प्रेरणा प्राप्त की। आधुनिक इतिहासकारों का यह भी कहना है कि उसके समय में संपूर्ण विश्व में चांदी की कमी हो गई थी और भारत में तो बहुत ही कमी थी, इस कारण उसने सांकेतिक मुद्रा चलाई।

12. निम्नलिखित में कौन पहला सुल्तान था, जिसने भारत में सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन

(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) बहलोल लोदी

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर—(c)

मुहम्मद तुगलक का शासनकाल क्रांतिकारी योजनाओं के लिए जाना जाता है, जिसमें उसकी प्रमुख योजना मुद्रा व्यवस्था से संबंधित थी। सुल्तान ने तांबे तथा इससे मिश्रित कांसे के सिक्के जारी किए, जिनका मूल्य तत्कालीन जारी चांदी के सिक्के के बराबर था, जिसे 'सांकेतिक मुद्रा' कहा गया। ऐसा प्रयोग करने वाला मुहम्मद बिन तुगलक भारत का पहला सुल्तान था। यह योजना बाजार में अव्यवस्था उत्पन्न होने के कारण असफल रही।

13. "जब उसने राजत्व (Kingship) प्राप्त किया, तो वह शरियत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतंत्र था।" बरनी ने यह कथन किस सुल्तान के लिए कहा?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन

(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद तुगलक

46th B.P.S.C. (Pre) 2004

उत्तर—(c)

जियाउद्दीन बरनी ने उक्त कथन अलाउद्दीन खिलजी के लिए कहा है। उसने अपनी पुस्तक 'तारीख-ए- फिरोजशाही' में इसका वर्णन किया है।

14. कथन (A) : मुहम्मद बिन तुगलक ने एक नया स्वर्ण सिक्का जारी किया, जो इब्नबतूता द्वारा दीनार कहलाया गया।

कारण (R): मुहम्मद बिन तुगलक पश्चिम एशियाई तथा उत्तरी अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार में अभिवृद्धि के लिए स्वर्ण सिक्कों की टोकन मुद्रा जारी करना चाहता था।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर—(c)

मुहम्मद बिन तुगलक के द्वारा जारी स्वर्ण के सिक्कों को इब्नबतूता (मोरक्को का यात्री) द्वारा 'दीनार' की संज्ञा दी गई थी। मुहम्मद बिन तुगलक अपनी सैन्य शक्ति में अभिवृद्धि के लिए तांबे के सिक्कों की टोकन मुद्रा जारी करना चाहता था न कि पश्चिम एशियाई देशों तथा उत्तरी अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार करने के लिए स्वर्ण का टोकन मुद्रा। अतः कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।

15. निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

कथन (A) : मुहम्मद तुगलक की प्रतीक मुद्रा योजना असफल सिद्ध हुई।

कारण (R) : मुहम्मद तुगलक का मुद्रा निर्गमन पर उचित नियंत्रण नहीं था।

सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए—

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या है (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(a)

बरनी, मुहम्मद तुगलक की पांच मुख्य योजनाओं का विशेष रूप से उल्लेख करता है : (1) दोआब में कर की वृद्धि, (2) देवगिरि (दौलताबाद) को राजधानी बनाना, (3) सांकेतिक मुद्रा जारी करना, (4) खुरासान पर आक्रमण और (5) कराचिल की ओर अभियान। सांकेतिक मुद्रा या प्रतीक मुद्रा योजना की असफलता का मुख्य कारण सिक्का ढालने पर राज्य का नियंत्रण न होना। प्रतीक मुद्रा का मूल्य चांदी की मुद्रा के मूल्य के बराबर रखा गया। जिसके कारण अनेक जाली टकसाल बन गए। लगान जाली सिक्कों से दिया जाने लगा।

Scanned with OKEN Scanner

16. **मूर देश का यात्री इब्नबतूता किसके शासनकाल में भारत आया?**
(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) बाबर
(c) अकबर (d) महमूद गजनी
U.P. P.C.S. (Pre) 1994
Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(a)

इब्नबतूता (1333-1347 ई.) मोरक्को मूल का अफ्रीकी यात्री था। यह मुहम्मद बिन तुगलक के कार्यकाल (1325-51 ई.) में भारत आया। मुहम्मद बिन तुगलक ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था।

17. **मध्यकालीन यात्री एवं लेखक इब्नबतूता किस देश का निवासी था?**
(a) फारस (b) मोरक्को
(c) मिस्र (d) अफगानिस्तान
Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2019

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. **इब्नबतूता भारत में किसके शासनकाल में आया?**
(a) बहलोल लोदी (b) फिरोज तुगलक
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) मुहम्मद बिन तुगलक
U.P. P.C.S. (Pre) 1991
U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. **किसने सल्तनत काल में डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण दिया है?**
(a) अमीर खुसरो (b) इब्नबतूता
(c) सुल्तान फिरोजशाह (d) जियाउद्दीन बरनी
U.P. P.C.S. (Pre) 2000
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर—(b)

सल्तनत काल में डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण हमें इब्नबतूता के यात्रा वृत्तांत द्वारा प्राप्त होता है। यह मोरक्को के तानजीर प्रदेश का निवासी था और मुहम्मद तुगलक के शासनकाल में भारत आया था। 'किताब उल-रेहला' उसकी प्रसिद्ध पुस्तक है।

20. **कश्मीर घाटी के अंतिम मुस्लिम शासक युसूफ शाह चक, जिन्हें मुगल सम्राट अकबर द्वारा बिहार में निर्वासित किया गया था दफन हैं—**
(a) पाटलिपुत्र में (b) राजगीर में
(c) मुंगेर में (d) नालंदा में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(d)

कश्मीर घाटी के अंतिम मुगल शासक युसूफ शाह चक को मुगल सम्राट अकबर द्वारा निर्वासित किया गया था। निर्वासन के दौरान युसूफ शाह चक की मृत्यु 1592 ई. में पुरी, ओडिशा में हुई, जिन्हें बाद में नालंदा (बिहार) में दफनाया गया।

21. **होली त्यौहार के सार्वजनिक उत्सव में भाग लेने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान कौन था?**
(a) फिरोज शाह तुगलक
(b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) सिकंदर लोदी
(d) इब्राहीम लोदी
U. P. P. C. S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर—(b)

दिल्ली के सुल्तानों में मुहम्मद बिन तुगलक प्रथम सुल्तान था, जो हिंदुओं के त्यौहारों, मुख्यतया होली में भाग लेता था।

22. **दिल्ली के किस मुस्लिम शासक के निधन पर एक इतिहासकार ने कहा, "राजा को प्रजा से मुक्ति मिली व उन्हें राजा से"?**
(a) बलबन (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) शेरशाह
M.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर—(b)

मुहम्मद बिन तुगलक जब दौलताबाद में था तभी तागी (Taghi) के नेतृत्व में गुजरात में एक विद्रोह हुआ। सुल्तान स्वयं इस विद्रोह को दबाने के लिए गुजरात गया। तागी पराजित हुआ और भागकर सिंध चला गया। सुल्तान गुजरात में शांति-व्यवस्था स्थापित कर तागी को समाप्त करने के लिए सिंध की ओर रवाना हुआ। मार्ग में ही सुल्तान बीमार पड़ा और थट्ठा के निकट 20 मार्च, 1351 को उसकी मृत्यु हो गई। उसके निधन पर बदायूंनी ने लिखा है, "सुल्तान को उसकी प्रजा से और प्रजा को अपने सुल्तान से मुक्ति मिल गई।"

23. **इतिहासकार बदायूंनी ने किसकी मृत्यु पर कहा था कि "सुल्तान को अपनी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गई"?**
(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) बलबन
(c) इल्तुतमिश (d) मुहम्मद बिन तुगलक
I.A.S. (Pre) 1999
U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने बेरोजगारों को रोजगार दिलवाया?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) फिरोज तुगलक (d) शेरशाह सूरी

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर—(c)

फिरोज शाह तुगलक ने सामान्य लोगों की भलाई के लिए कुछ उपकार के कार्य किए। नियुक्ति के लिए एक दफ्तर (रोजगार दफ्तर) खोलकर तथा प्रत्येक मनुष्य के गुण एवं योग्यता की पूरी जांच-पड़ताल के बाद यथासंभव अधिक-से-अधिक लोगों को नियुक्ति देकर उसने बेकारी (बेरोजगारी) की समस्या को हल करने का प्रयास किया।

25. बेरोजगारों के सहायतार्थ, दिल्ली के निम्नलिखित सुल्तानों में से किसने 'रोजगार कार्यालय' की स्थापना की थी?

(a) बलबन ने (b) अलाउद्दीन खिलजी ने
(c) मोहम्मद बिन तुगलक ने (d) फिरोज शाह तुगलक ने

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010
U.P.U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Mains) 2010

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. दिल्ली का सुल्तान जो दान-दक्षिणा के बारे में काफी ध्यान रखता था और इसके लिए एक विभाग 'दीवान-ए-खैरात' स्थापित किया, वह था—

(a) इल्तुतमिश (b) फिरोज तुगलक
(c) गियासुद्दीन शाह (d) बहलोल लोदी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर—(b)

फिरोज शाह तुगलक संतों एवं धार्मिक व्यक्तियों को जागीर एवं संपत्ति दान करता था। उसने एक विभाग 'दीवान-ए-खैरात' स्थापित किया था, जो गरीब मुसलमानों, अनाथ स्त्रियों एवं विधवाओं को आर्थिक सहायता देता था और निर्धन मुसलमान लड़कियों के विवाह की व्यवस्था करता था।

27. निम्नलिखित में से किस सुल्तान के दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज तुगलक

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर—(d)

फिरोज शाह तुगलक को दासों का बहुत शौक था। उसके दासों की संख्या संभवतः एक लाख अस्सी हजार तक पहुंच गई थी। उनकी देखभाल के लिए एक पृथक विभाग ('दीवान-ए-बंदगान') का गठन किया गया था। उन दासों की शिक्षा का पूर्ण ध्यान रखा जाता था।

28. मध्यकालीन भारतीय राजाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन- सा कथन सही है?

(a) अलाउद्दीन खिलजी ने पहले एक अलग आरिज विभाग स्थापित किया
(b) बलबन ने अपनी सेना के घोड़ों को दागने की पद्धति शुरू की
(c) मुहम्मद बिन तुगलक के बाद दिल्ली की गद्दी पर उसके चाचा बैठे
(d) फिरोज तुगलक ने गुलामों का एक अलग विभाग स्थापित किया

I.A.S. (Pre) 2002

उत्तर—(d)

(i) मंगोलों से मुकाबला करने के लिए बलबन ने एक सैन्य विभाग 'दीवान-ए-अर्ज' की स्थापना की थी। बलबन ने अपना सेना मंत्री (दीवान-ए-अर्ज) इमाद-उल-मुल्क को बनाया था, जो अत्यंत ईमानदार और परिश्रमी व्यक्ति था। बलबन ने उसे वजीर के आर्थिक नियंत्रण से मुक्त रखा ताकि उसे धन की कमी न हो। बलबन की सेना की अच्छी व्यवस्था का बहुत अधिक श्रेय इमाद-उल-मुल्क को है।
(ii) घोड़ों को दागने की प्रथा बलबन ने नहीं, बल्कि अलाउद्दीन खिलजी ने शुरू की थी।
(iii) मुहम्मद तुगलक के बाद उसका चचेरा भाई फिरोज तुगलक (1351-1388 ई.) गद्दी पर बैठा।
(iv) फिरोजशाह तुगलक ने गुलामों के लिए एक अलग विभाग 'दीवान-ए-बंदगान' की स्थापना की। फिरोज दासों का बहुत शौकीन था। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

29. सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी—

(a) इल्तुतमिश ने
(b) बलबन ने
(c) अलाउद्दीन खिलजी ने
(d) फिरोजशाह तुगलक ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2000
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

सल्तनत काल में सर्वप्रथम फिरोज शाह तुगलक ने ही लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी। कहा जाता है कि फिरोज ने 300 नवीन नगरों का निर्माण कराया। उसके द्वारा बसाए नगरों में फतेहाबाद, हिसार, फिरोजपुर, जौनपुर, फिरोजाबाद आदि प्रमुख थे। अपने बंगाल अभियान के दौरान उसने इकदला का नया नाम आजादपुर तथा पंडुआ का नया नाम फिरोजाबाद रखा। उसके राज्य का मुख्य वास्तुकार (Architect) मलिक गाजी शहना था। प्रत्येक भवन की योजना को उसके व्यय अनुमान के साथ 'दीवान-ए-विजारत' के सम्मुख रखा जाता था, तभी उस पर धन स्वीकार किया जा सकता था।

30. दिल्ली का जो सुल्तान भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है, वह था—

(a) इल्तुतमिश (b) गियासुद्दीन तुगलक
(c) फिरोज शाह तुगलक (d) सिकंदर लोदी

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर—(c)

फिरोज तुगलक का शासनकाल भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के कारण प्रसिद्ध रहा। सिंचाई की सुविधा के लिए उसने पांच बड़ी नहरों का निर्माण कराया। फिरोज तुगलक उलेमा वर्ग की स्वीकृति के पश्चात 'हक्क-ए-शर्ब' नामक सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था। उन किसानों को, जो सिंचाई के लिए शाही नहरों का पानी प्रयोग में लाते थे, अपनी पैदावार का 1/10 भाग अतिरिक्त कर के रूप में देना पड़ता था।

31. दिल्ली के किस सुल्तान ने सबसे ज्यादा नहरों का निर्माण किया था?

(a) फिरोज शाह तुगलक (b) इल्तुतमिश
(c) बलबन (d) सिकंदर लोदी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. 'हक्क-ए-शर्ब' अथवा सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान कौन था?

(a) अलाउद्दीन खिलजी
(b) गयासुद्दीन तुगलक
(c) मोहम्मद बिन तुगलक
(d) फिरोज तुगलक

U. P. Lower Sub. (Pre) 2008
U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. दिल्ली के किस सुल्तान ने ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया था?

(a) बलबन ने (b) फिरोज तुगलक ने
(c) अलाउद्दीन खिलजी ने (d) मुहम्मद बिन तुगलक ने

U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

फिरोज तुगलक द्वारा ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया गया था। उल्लेखनीय है कि उस समय तक ब्राह्मण इस कर से मुक्त रखे गए थे। फिरोज के इस कदम के विरुद्ध दिल्ली के ब्राह्मणों ने भूख हड़ताल की थी तथा अंत में दिल्ली के अन्य हिंदुओं ने ब्राह्मणों के हिस्से का जजिया स्वयं देने का निर्णय लिया था।

34. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) सिकंदर लोदी (d) शेरशाह सूरी

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर—(b)

फिरोज शाह तुगलक ने बागवानी में अपनी अभिरुचि के कारण दिल्ली के निकट 1200 नए फलों के बाग लगाए तथा उसने अपने बागों में फलों की गुणवत्ता सुधारने के भी उपाय किए थे।

35. टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तंभ लेख दिल्ली कौन लाया था?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) फिरोज शाह तुगलक
(c) मुहम्मद गोरी (d) सिकंदर लोदी

U.P. P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर—(b)

फिरोज शाह तुगलक की विशिष्टता यह थी कि उसने अपने पूर्ववर्ती राजाओं और कुलीन पुरुषों के भवनों की मरम्मत कराने एवं उन्हें पुनः निर्मित कराने पर बहुत ध्यान दिया। उसने अपने निर्माण से भी अधिक महत्व उन भवनों को पुनः स्थापित करने में दिया। उसके द्वारा अशोक के दो स्तंभों को मेरठ एवं टोपरा (अब हरियाणा के यमुनानगर जिले में) से दिल्ली लाया गया। टोपरा वाले स्तंभ को महल तथा फिरोजाबाद की मस्जिद के निकट पुनः स्थापित कराया गया। मेरठ वाले स्तंभ को दिल्ली के वर्तमान बड़ा हिंदू राव अस्पताल के निकट एक टीले कश्के-शिकार या आखेट-स्थान के पास पुनः स्थापित कराया गया।

36. दिल्ली का कौन-सा सुल्तान अशोक स्तंभ को दिल्ली लाया था?

(a) फिरोजशाह तुगलक (b) जलालुद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) कुतुबुद्दीन ऐबक

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(a)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. दिल्ली के किस सुल्तान ने इस उद्देश्य से एक 'अनुवाद विभाग' की स्थापना की, कि उससे दोनों संप्रदायों के लोगों में एक-दूसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) फिरोज तुगलक
(c) इल्तुतमिश (d) सिकंदर लोदी

U. P. P. C. S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर—(b)

दिल्ली के सुल्तान फिरोज तुगलक ने एक 'अनुवाद विभाग' की स्थापना की थी जिससे कि उससे हिंदू एवं मुस्लिम दोनों संप्रदायों के लोगों में एक-दूसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके। उसने कुछ संस्कृत ग्रंथों का फारसी में अनुवाद भी करवाया।

38. राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक था—

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) फिरोज तुगलक
(c) अकबर (d) औरंगजेब

I.A.S. (Pre) 1994
U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर—(b)

राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक फिरोज तुगलक था। उसने 'दारुल-शफा' नामक एक खैराती अस्पताल की स्थापना भी की और उसमें कुशल हकीम रखे।

39. फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शफा' क्या था?

(a) एक दानशाला
(b) एक खैराती अस्पताल
(c) एक पुस्तकालय
(d) तीर्थयात्रियों के लिए एक अतिथिगृह

U.P. P.C.S. (Pre) 2013
53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. दिल्ली सल्तनत के तुगलक राजवंश का अंतिम शासक निम्नलिखित में से कौन था?

(a) फिरोजशाह तुगलक
(b) गियास-उद-दीन-तुगलक शाह द्वितीय
(c) नासिर-उद्-दीन महमूद
(d) नुसरत शाह

I.A.S. (Pre) 2004

उत्तर—(c)

नासिर-उद्-दीन महमूद (1394-1412 ई.) तुगलक वंश का अंतिम शासक था। इसके शासनकाल में ख्वाजा जहां ने जौनपुर के स्वतंत्र राज्य की स्थापना की। पंजाब का सूबेदार खिज्र खां स्वतंत्र होकर दिल्ली को प्राप्त करने के लिए प्रयत्न करने लगा। फिरोज के एक अन्य पुत्र नुसरत शाह ने नासिरुद्दीन को चुनौती दी। फलस्वरूप तुगलक वंश दो भागों में विभाजित हो गया और दोनों शासकों ने एक ही साथ दिल्ली के छोटे से राज्य पर शासन किया। नासिरुद्दीन दिल्ली में रहा और नुसरत शाह फिरोजाबाद में। नासिरुद्दीन महमूद के शासनकाल में मध्य-एशिया के महान मंगोल सेनानायक तैमूर ने भारत पर आक्रमण (1398 ई.) किया। यह कथन इसी शासक के लिए प्रचलित था—'शहंशाह की सल्तनत दिल्ली से पालम तक फैली हुई है।'

41. तैमूर ने किसके शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया?

(a) अलाउद्दीन खिलजी के (b) बहलोल लोदी के
(c) फिरोज तुगलक के (d) मुहम्मद बिन तुगलक के

U.P. P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर—(*)

भारत पर तैमूर का आक्रमण वस्तुतः तुगलक शासक नासिरुद्दीन महमूद (1394-1412 ई.) के काल में (1398 ई.) हुआ था। भारत पर आक्रमण करने के उद्देश्यों को तैमूर ने स्वयं स्पष्ट किया था। उनमें से एक था काफिरों से युद्ध तथा उनका विनाश तथा दूसरा था धन प्राप्ति। जाने से पहले उसने खिज्र खां को मुल्तान, दीपालपुर और लाहौर का सूबेदार नियुक्त किया। अतः उपर्युक्त समस्त प्रश्नगत विकल्प गलत हैं।

42. तैमूर लंग ने किस वर्ष भारत पर आक्रमण किया?

(a) 1210 ई. (b) 1398 ई.
(c) 1492 ई. (d) 1526 ई.

M.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में किस वंश का राज स्थापित हुआ?

(a) लोदी वंश (b) सैयद वंश
(c) तुगलक वंश (d) खिलजी वंश

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर—(b)

तैमूर के आक्रमण (1398 ई.) ने दिल्ली सल्तनत एवं तुगलक वंश दोनों को ही नष्ट कर दिया। 1412 ई. में नासिरुद्दीन महमूद की मृत्यु के साथ ही तुगलक वंश का अंत हो गया। 1413 ई. में सरदारों ने दौलत खां को दिल्ली का सुल्तान चुना। परंतु उसे खिज्र खां ने पराजित कर दिया। वह तैमूर द्वारा नियुक्त लाहौर का सूबेदार था। तैमूर के आक्रमण के बाद 1414 ई. में उसने दिल्ली पर अधिकार कर एक नए वंश सैयद वंश की नींव डाली।

Scanned with OKEN Scanner

44. निम्न को उनके कालक्रमानुसार क्रमबद्ध कीजिए-

1. रुक्नुद्दीन
2. मुबारक खान
3. फिरोज शाह तुगलक
4. आलमशाह

नीचे दिए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(a) 2, 1, 4, 3
(b) 1, 2, 4, 3
(c) 1, 2, 3, 4
(d) 2, 1, 3, 4

U. P. P. C. S. (Mains) 2003

उत्तर–(c)

रुक्नुद्दीन	–	1236 ई.
मुबारक खान	–	1316 - 1320 ई.
फिरोज शाह तुगलक	–	1351 - 1388 ई.
आलमशाह	–	1445 - 1451 ई.

रुक्नुद्दीन 1236 ई. में इल्तुतमिश की मृत्यु के बाद शासक बना, जबकि इल्तुतमिश ने रजिया को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। मुबारक खान 1316 ई. में मुबारक खिलजी के नाम से दिल्ली का सुल्तान बना, फिरोज शाह तुगलक 1351-1388 ई. तक दिल्ली का सुल्तान रहा तथा सैयद वंशी शासक आलमशाह 1445-1451 ई. तक दिल्ली का सुल्तान रहा।

Scanned with OKEN Scanner